Provision of one Seat for one passenger

+

*289. DR. K. L. RAO:
SHRI N. E. HORO:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether any study has been made about the number of coaches required for different routes to ensure one seat for every passenger in trains; and

(b) if so, the outcome thereof?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI BUTA SINGH): (a) and (b). Sir, However, periodical census of occupation of all non-suburban passenger carrying trains is taken on the Railways twice a year to assess the extent of occupation in each train and on the basis of results of these census and having regard to the availability of requisite resources, steps are taken to introduce additional trains as also to extent the runs and augment the loads of existing trains to meet the requirements of traffic on different routes.

DR. K. L. RAO: In view of the overcrowding in the Indian Railway system, is it not desirable that there should be a regular survey of the percentage of overcrowding in different trains and at different times? I would like to know whether the hon. Minister is going to do this.

SHRI BUTA SINGH: I take the suggestion from the hon. Member. But, as I informed, twice a year there is regular survey done on the occupancy of the trains, rush of passengers, etc. It is almost a regular feature in the Indian Railways, and we have been able to know the extent of overcrowding on all the major routes of the Indian Railways.

DR. K. L. RAO: Is the hon. Minister thinking of introducing some short-term measures like establishing point to point service, design of seats of coaches and addition of more coaches? Overcrowding is a bad thing and notwithstanding the overcrowding a person always pays for his seat. So, will the hon. Minister think of some such steps to reduce overcrowding in Indian railways?

SHRI BUTA SINGH: We are taking several steps. The one suggested by the hon. Member is also a very important step that will decrease the rush on the trains, that is, point to point service. Already we have identified the problem We have introduced large number of trains to cover short distances to reduce the rush on major trains. We have also augment of the capacity of the trains by dieselising and by electrifying most of the major routes.

श्री नरसिंह नारायण पांडे : क्या मंत्री जी ने इस बात की जांच की है कि गाड़ियों में जो रश है उसका परसेंटेज क्या है, और कोचों की सप्लाई आप कहां तक कर पाये हैं ?

श्री बूटा सिंह : जैसा मैंने कहा हम इसका बराबर सर्वेक्षण करते रहते है। जैसा मैंने कहा 20 से लेकर 40 प्रतिशत तक बड़ी-बड़ी गाड़ियों में ओवरक्राउडिंग के कारण रश रहता है। और कोचेज के बारे में जो माननीय सदस्य ने पूछा है हमारे पास इस वक्त जो उपलब्ध कोचेज हैं यात्रियों को कैरी करने के लिये वह 26,000 के करीब हैं और 2000 के करीब ऐसी कोचेज है जो बिजली इंजन से चलती है। हम ने प्लानिंग कमीशन से मांग की थी कि हमारी जो इस वक्त योजना चल रही है उसमें अपनी कोचेज को पूरा करने के लिये जो हम ने पैसा मांगा था उससे हम कम मिला है जिससे उतनी कोचेज हम नहीं बना पायेंगे जितनी कि हमें चाहिये ।

SHRI DINEN BHATTACHARYYA: Sir, the Minister said that the Rail-

way Board had taken up the matter very seriously and that they are providing coaches to see that the overcrowding of passengers is minimised to the maximum extent. My question is: in the suburban section, I specially mention the Howrah-Bandel-Sealdah Sections, in the local trains, the coaches have been cancelled on Sundays and other gazetted holidays. I want to know whether the Minister will take up the matter seriously without depending upon certain inspection by the local authorities who do not give their reports to the Minister?

SHRI BUTA SINGH: I take this from the hon Member. I hope that there is no shortage in providing more passenger coaches. We shall review this.

श्री कमला मिश्र 'मधुकर' : अध्यक्ष जी, मैं जानना चाहता हूं कि क्या यह बात सही है कि अभी बिहार मे खास कर पटना से मुकामा तक जाने वाली गाड़ियों मे और इसी प्रकार बरौनी तथा समस्तीपुर तक जाने वाली गाडियों मे काफी भीड रहती है और भीड़ के साथ-साथ मुझे यह भी मालूम हुआ है कि बड़े-बड़े बस ऑपरेटर्स के साथ रेल अधिकारियों का मेल रहता है, गाड़ियों की टाइमिंग ऐसी करते हैं जिससे यात्री बसो से अधिक जायें और रेल से न जायें ताकि बस वालों को अधिक फायदा हो ?

श्री बूटा सिंह जैसा मैंने कहा ओवरक्राउडिंग को कम करने के लिये बहुत से प्रयास किये गये हैं जैसे डीजल और बिजली के इजन लगाये हैं और इसी तरह से स्पेशल ऐक्सप्रेस ट्रेन्स लगायी हैं।

MR. SPEAKER: Are you diverting your traffic to the private buses?

SHRI BUTA SINGH: No, Sir.

श्री डी० एन० तिवारी : मंत्री जी ने कहा कि साल मे दो बार सर्वेक्षण होता है और इनको मालूम होता है कि कहां-कहां बहुत ज्यादा भीड़ और ओवरक्राउडिंग होती है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या इनके सर्वेक्षण मे कोई इलाका ऐसा है जहां सबसे अधिक भीड़ होती हो ? यदि हां, तो वह कौन सा इलाका है और उसको कम करने के लिये क्या स्टेप्स लिये गये हैं ?

श्री बूटा सिंह : इस समस्या के दो पहलू हैं। एक तो यह कि जो लम्बी फासले पर चलने वाली गाड़ियां हैं उनके पूरे रास्ते पर ओवरक्राउडिंग रहती है। दूसरे कुछ लोकल लाइज्ड पैसेंजर्स हैं जिसकी वजह से एक खास जगह पर रश होता है। उस खास जगह के रश को हटाने के लिये, बड़ी गाड़ियों के ऊपर से रश कम करने के लिये, थोड़े-थोड़े फासले पर चलने वाली गाड़ियों की संख्या बढ़ायी गई है ?

अध्यक्ष महोदय : कौन-कौन से इलाके हैं यह उन्होंने पूछा है।

श्री बूटा सिंह . हम ने कुछ ऐसे इलाके आइडेन्टिफाई किये हैं जहा ऐसा है। जैसे खास कर माननीय सदस्य का मतलब बिहार से है जो बहुत ही हाइली पौपुलेटेड एरिया है।

Rail Link with Iran

*290. SHRI R. S. PANDEY: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state.

(a) whether there is any proposal to have rail link with Iran in the near future; and

(b) if so, the salient features thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): (a) and (b). Proposals for the construction of new rail link between Kerman and Zaheden in Iran, are under considera-